

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 29 अक्टूबर, 1985

क्रमांक 1040-ज(2)-85/32171.—श्री हरि सिंह, पुत्र श्री मीजी राम, गांव कानोन्दा, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, की दिनांक 3 जून, 1981, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2 (ए)(1) तथा 3 (1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हरि सिंह की मृत्यु 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1483-जे-एन-III-66/3951, दिनांक 15 मार्च, 1936, 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी अब उसकी विधवा श्रीमती लाजवली के नाम खरी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1036-ज(2)-85/32175.—श्री श्रीराम, पुत्र श्री रूपराम, गांव नीलाहेड़ी, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 15 दिसम्बर, 1983, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3 (1)(ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री श्रीराम की मृत्यु 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 576-आर-(4)-68/697, दिनांक 7 मार्च, 195041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती भगवानी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

श्री० पी० सांगड़ा, अवर सचिव।

LATE NOTIFICATIONS